स्वास्थ्य सेवा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर डाला प्रकाश

- यूपीईएस स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने मनाया वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे

भास्कर समाचार सेवा

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. एस फारूख व अन्य।

देहरादून। यूपीईएस स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे मनाया। कार्यक्रम का विषय फार्मासिस्ट स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना-अंगदान महादान था। फार्मासिस्ट डे मनाने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें न केवल छात्रों की प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया, बल्कि फार्मास्युटिकल क्षेत्र के महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला गया। छात्रों ने क्विज में भाग लिया और दर्शकों को ऑर्गन, टिश्यू, ब्लड और स्टेम सेल दान के महत्व के बारे में बताया। इसके बाद भारत में नेक्स्ट-जेन हैल्थकेयर सिस्टम के मुद्दे पर एक पैनल डिस्कशन किया गया, जिसमें छात्रों के गतिशील प्रदर्शन और तर्कों के माध्यम से देश में विकसित स्वास्थ्य सेवा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा, क्रिएटिव स्टोरी टेलिंग और प्रदर्शनों की मदद से, छात्रों ने एक शानदार नाटक के माध्यम से जीवन बचाने और देने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अंग दान के महत्व को प्रभावी ढंग से बताया। इसके अतिरिक्त, छात्रों ने टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल खाना पकाने के तरीकों को बढ़ावा देने के लिए बिना आग के खाना पकाने की थीम पर एक भोजन और स्टॉल कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि हिमालय वेलनेस कंपनी के अध्यक्ष डॉ. एस. फारूक ने कहा कि भारत फार्मास्युटिकल उद्योग में एक प्रमुख स्थान रखता है। हमारा ध्यान इनोवेशन को बढ़ावा देने पर होना चाहिए। इनोवेशन के माध्यम से ही हम भारत को शीर्ष स्तरीय फार्मास्यूटिकल्स में शामिल कर सकते हैं। कम्युनिटी में फार्मासिस्टों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डीन यूपीईएस स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी डॉ. पद्मावती वेंकटसुब्रमण्यन ने कहा कि हम कोविड के दौरान और उसके बाद फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका को गहराई से महत्व देते हैं, खासकर ग्रामीण भारत में जहां वे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के रूप में कार्य करते हैं। डॉक्टर. ग्रामीण बीमारियों और दवाओं के बारे में उनका व्यापक ज्ञान महत्वपूर्ण है। जागरूकता बढ़ाने और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच ऑर्गन या स्टेम सेल दान फॉर्म वितरित करने के लिए ओजोन (यूपीईएस की स्टूडेंट सोसाइटी) और धात्री (एनजीओ) की ओर से बूथ स्थापित किए गए थे। कार्यक्रम का समापन प्रथम पुरस्कार विजेताओं और उपविजेताओं के सम्मान के साथ हुआ, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्राप्त किए।